Anand
DATE :
PAGE NO. : 13

ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण

फोल्डर नः- 02
ट्रैक नः 200M0017
ट्रैक समयावधि :- 1 : 39 : 38
कलाकार का नाम :- सुभान खाँ s/o खमेखाँ
पता :- गाँव- बड़नावा चारणान् तह- पचपदरा
जिला बाड़मेर
सहायक कलाकार
[redacted] विडियो रिकॉर्डिंग समय :-
विषय :- [redacted] गाथा (जसमा ओडण)
विशेष विवरण
दिनांक :- 24/05/2021
स्थान :- बड़नावा चारणान्
गायन / वादन :- No

यह कथा 'जसमा' नाम से प्रचलीत है। कथा में जसमा और रत्नपाउ राठौड़ की लीलाओं का वर्णन है। कथा में जसमा की सुन्दरता का अतिशयोक्ति वर्णन किया गया है तथा जसमा और रत्नपाउ राठौड़ के प्रेम का वर्णन है।

जसमा और रत्नपाउ राठौड़ पिछले जन्म में हंस और हंसीनी होते हैं। एक दिन वे दोनों अपने बच्चों के साथ बैठे होते हैं तथा वन में आग लग जाती है तो हंस उड़ जाता है और हंसीनी और बच्चे जल जाते हैं तथा हंस उड़कर आगे जाता है और सोचता है कि हंसनी और बच्चे तो जल गए मैं जिन्दा रहकर क्या करूँगा और वहा भी आग में आकर गिर जाता है।

दोनों का दूसरा जन्म होता है हंसीनी एक राजकुमारी के रूप में मुगल पठान के घर होता तोम्बावती नगरी में और हंस का का जन्म एक सामान्य किसाने के रूप में सुरत खमात में होता है। इसप्रकार जसमा तोम्बाती नगरी मुगल पठान के होती है तो वहा एक राजकुमारी की तरहा जीवन यापन करती है तथा उसको पिछले जन्म की घटना याद होती तो वहा सोचती है कि मैं और मेरे बच्चे ही जलकर मरे थे हंस तो उड़ गया था यह सोचकर वह इस जन्म में भी किसी मर्द का मुख नहीं देखती और कोरी गागर पूजती है।

रत्नपाउ राठोड़ एक सामान्य किसान है जो खेती करता है एक दिन वहा खेत में जाता है और बहुत कठिन परीश्रम करता है और उसकी भोजाई उसके लिए खाना लेकर आती है रत्नपाउ खाना खाने लगता है तो खाना अस्वदीस्ट होता है और रोटियाँ भी जली हुई है तो वहा भोजाई से अच्छा खाना बनाने के लिए कहता है और वह उसे ताना देती कि फिर तो तू जसमा के हाथ का ही खाना, खाना वो बहुत अच्छा बनाती है। यह सुनकर रत्नपाउ को गुस्सा या जाता है और वह मन्दिर में जाकर अपना सर पटकने लगता है तो देवी की कृपा होती और राहा दिखा देती है। रत्नपाउ सूरतखमात शहर छोड़कर निकल जाता है। वहा रंग के डिब्बे ले लेता है और चित्रकार बन जाता है

रत्नपाड़ राठौड़ घूमते- घूमते कई महीनों बाद ताम्रावती नगरी पहुंच जाता है और जसमा की खिड़की के सामने एक दीवार पर वही चित्र बनाता है कि एक चित्र में हंसनी और बच्चों को जलता हुआ दर्शाता है और दूसरे चित्र में हंस को भी आग गिरते दर्शाता है। जब जसमा अपनी खिड़की खोलती है तो देखती है कि तो सोचती है कि ऐसा कौन व्यक्ति है जिसने हमारे पिछले जन्म के बारे में पता है और जसमा को यह भी पता चल जाता है कि हंस भी वापिस आकर जल गया था तथा जसमा रत्नपाड़ राठौड़ को अपने महल में बुलाती है। और पूछती है कि तुमने इस दृश्य को कहा से देखकर बनाया है तो रत्नपाड़ उसे सब बता देता है कि वहा हंस मैं ही हूं। तथा जसमा रत्नपाड़ राठौड़ से विवाह कर लेती है और वे दोनों सुरतखमात आ जाते हैं। वे कई दिन सुरतखमात में रहते हैं तो रत्नपाड़ राठौड़ अनेक काम में व्यस्त रहने लगता है तो जसमा के साथ बहुत कम समय व्यतीत करता है। तथा जसमा रत्नपाड़ राठौड़ से कहती है कि ऐसा कोई काम ढूंढो जिसमें हम पूरा दिन एक साथ व्यतीत कर सके तो रत्नपाड़ राठौड़ जोड़ जाती को देखता है वे सब स्त्री पुरुष पूरे दिन एक साथ काम करते हैं। इस तरह जसमा और रत्नपाड़ अपने माण-डिये गधे को लेकर ओड़ो के साथ निकल जाते और वे ओड़ो के साथ घूमते- घूमते जैतनगर शहर चले जाते हैं तो वहां काम पर लग जाते हैं वहां एक पालिया बामण जसमा को देख लेता है और वहा उस पर मोहित हो जाता है। और यह बात जैतनगर के बादशाह से जाकर कहता है तथा बादशाह जसमा को देखने जाता है तो वहा भी मोहित हो जाता है और जसमा के पीछे पड़ जाता है। कई दिन वे वहा रहते हैं तथा सभी ओडों को राजा से भय रहता है और उनके पास इतने शास्त्र नहीं होते हैं कि वे बादशाह का सामना कर सके इसलिए वे दिन में काम करते हैं और रात में वहा से निकलने के लिए सुरंग बनाते थे हैं। एक दिन बादशाह

He-वह
There-वहां

Anand

DATE

जसमा को अपने बगीचे में आमन्त्रित करता है। जसमा सभी ओडो को वाहा से निकालने के दावत कबूल कर लेती है तथा वहा जाने के लिए तैयार हो जाती है। बादशाह और पलिया बामन जसमा के लिए तीतर लेने शिकार चले जाते है। जसमा बादशाह के बगीचे में जाती है तो वाहा तोता और मैना पक्षी बैठे होते है। जसमा बादशाह के बगीचे जाती है पीछे सारे ओड अपना सामान बान्धकर सुरंग से दूसरे शहर की ओर निकल जाते है। जसमा तोते से कहती जब बादशाह आए तो उसे कहना कि यहा आयी थी लेकिन तोता इनकार कर देता है तथा दोने के बीच काफी देर तक वातलाप होती है जसमा उसे भाई कहती है, देवर कहती फिर भी नहीं मानता लेकिन तोता कहता है कि अगर तुम मुझे पती कहो और शरीर पर नाचने दे तो मैं शाख भरूँगा। जसमा को वाह से निकलने की जल्दी होती तो जसमा तोते को पती कहती है और वह जसमा जसमा के शरीर पर नाचता है और जसमा की अंगीया के रंग में रंग जाता है। जसमा वहां से चली जाती है और सुरंग से निकल जाती है और भागकिये गधे को अपनी साड़ू ओढाकर सुला देती है। राजा वापिस अपने बगीचे में आता है और तोते को रगीन देखता है और वह उसे सब बताता है यह सुनकर बादशाहा को बहुत गुस्सा आता है तथा बादशाह जसमा के पीछे पीछे जाता है तो वे देखते है की एक औरत सो रही है वे सोचते है की जसमा सो रही है तो पलिया बामण पास में जाता है सड़ू खींचता है तो गधा पलीया बामण के मुँह पर लात मारता है तथा सारे दाँत तोड़ देता है। इसप्रकार बादशाह और पालिया बामण इधर-उधर ढूँढते है और उनको ग्वाला उस सुरंग के बारे में बताता है तथा वे तथा वे दोनो सुरंग के द्वारा पीछे निकल जाते है। जसमा रत्नपाड राठोड़ और सभी ओड सुरंग से बादशाहा लाखे खाँ के शहर में जाकर निकलते है। वहा लाखेखा से मिलते है तथा लाखेखाँ जसमा और रत्नपाड राठोड का बहुत सम्मान करता है और वे सभी वहां पर काम करने लग जाते है

जैतनगर का बादशाह और पालिया बामण भी उसी शहर में उनका पीछा करते चले जाते है। अब रतनपाड़ पाड उसे कहता है कि मुझसे युद्ध कर अगर तु जीत गया असमा तेरी इस तरह वे दोनो लड़ते है और रतनपाड़ उसे मार गिराता है रतनपाड राठैड की विजय हो जाती है तथा अब वे दोनो अपने सुरठखमात आ जाते है।